2.
(a) प्रौद्योगिकी ने शिक्षा में सबसे बड़ा बदलाव डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया है, जैसे लैपटॉप, टैबलेट, और स्मार्टफोन, जो छात्रों को जानकारी तक आसान पहुँच प्रदान करते हैं और ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्मों में भाग लेने का अवसर देते हैं।

(b) प्रौद्योगिकी ने दूरदराज या ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्मों और वर्चुअल कक्षाओं तक पहुँच प्रदान की है, जिससे वे अब घर बैठे नए विषयों को सीख सकते हैं और दुनिया भर के अन्य छात्रों के साथ जुड़ सकते हैं।

(c) व्यक्तिगत शिक्षा वह है, जो प्रत्येक छात्र की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित की जाती है। प्रौद्योगिकी इसे सक्षम बनाती है, क्योंकि अनुकूलित शिक्षण प्रौद्योगिकियां छात्र की प्रगति के आधार पर सामग्री की गति और कठिनाई को समायोजित कर सकती हैं।

(d) शिक्षकों के सामने मुख्य चुनौती यह है कि वे डिजिटल उपकरणों के लाभ और मानव इंटरएक्शन तथा आलोचनात्मक सोच के महत्व के बीच एक संतुलन बनाए रखें, ताकि प्रौद्योगिकी का उपयोग शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए किया जा सके, न कि इसे पारंपरिक शिक्षण विधियों के विकल्प के रूप में।

(e) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) शिक्षा में मदद कर रही है, क्योंकि यह छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकती है और सीखने की सामग्री, गति, और कठिनाई को उनके अनुसार अनुकूलित कर सकती है, जिससे छात्रों के लिए अधिक प्रभावी शिक्षा अनुभव सुनिश्चित होता है।

4. In today's time, technology has completely changed our lives. Its impact is particularly profound in the field of education. Earlier, students were solely dependent on books and teachers, but now they can acquire knowledge through the internet and various digital devices. Online learning platforms, such as Khan Academy and Coursera, offer students the opportunity to take courses from around the world while sitting at home. Additionally, through smartphones, tablets, and computers, students can access information on any subject at any time. However, with the increasing use of technology in education, some challenges have also emerged, such as the digital divide and the lack of social skills. Still, if technology is used in the right way, it can bring about a major revolution in the field of education.

5. भाषा मानव जीवन के सबसे मौलिक पहलुओं में से एक है, जो संचार का मुख्य उपकरण के रूप में कार्य करती है। भाषा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और विचारों को व्यक्त करता है, जिससे लोग आपस में जुड़ते हैं, एक-दूसरे को समझते हैं और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। संचार, दूसरी ओर, एक व्यापक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्तियों या समूहों के बीच जानकारी का आदान-प्रदान होता है। जबकि संचार अक्सर भाषा के माध्यम से होता है, संचार शारीरिक हाव-भाव, शरीर की भाषा, चेहरे के भाव और यहां तक कि चुप्पी जैसे अवरुद्ध रूपों के माध्यम से भी हो सकता है।

भाषा न केवल संचार का एक साधन होती है, बल्कि यह संस्कृति और पहचान का भी दर्पण होती है। विभिन्न भाषाओं में अद्वितीय अभिव्यक्तियाँ, मुहावरे और सोचने के तरीके होते हैं जो बोलने वाले लोगों की परंपराओं, मूल्यों और इतिहास को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ भाषाओं में ऐसे शब्द होते हैं जिनका अन्य भाषाओं में सीधा अनुवाद नहीं किया जा सकता, जो यह दर्शाता है कि भाषा और संस्कृति के बीच गहरा संबंध है। इस प्रकार, भाषा सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने में मदद करती है और एक समुदाय के भीतर संबद्ध (समूह का हिस्सा महसूस करने) का एहसास भी उत्पन्न करती है।

हालांकि, प्रभावी संचार केवल भाषा के उपयोग से अधिक है। इसके लिए सक्रिय श्रवण, स्पष्ट रूप से बोलने और मौखिक तथा अमौखिक संकेतों को समझने की आवश्यकता होती है। जब संदेश ठीक से व्यक्त नहीं किया जाता या संचार के सूक्ष्म संकेतों को नजरअंदाज किया जाता है, तो गलतफहमियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। अवरुद्ध संचार, जैसे आवाज़ का स्वर, शरीर की मुद्रा और नेत्र संपर्क, यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि संदेश पूरी तरह से समझा जाए। उदाहरण के लिए, एक साधारण "हाँ" का मतलब स्वर और चेहरे के भाव के आधार पर अलग-अलग हो सकता है।

आज की वैश्विक दुनिया में, भाषा और संचार सांस्कृतिक भिन्नताओं को पाटने में और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। जैसे-जैसे दुनिया भर के लोग एक-दूसरे से अधिक संपर्क में आते हैं, विभिन्न भाषाओं को सीखना और विविध संचार शैलियों को समझना आपसी सम्मान और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हो गया है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति ने संचार के तरीके को क्रांतिकारी रूप से बदल दिया है, जिससे लोग दूर-दूर से तुरंत बातचीत कर सकते हैं। सोशल मीडिया, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और मैसेजिंग ऐप्स ने वैश्विक संचार के लिए नए प्लेटफॉर्म बनाए हैं, जो समय और स्थान की बाधाओं को तोड़ते हैं।

अंततः, भाषा संचार का एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो विचारों के आदान-प्रदान और संबंधों के निर्माण में सहायक है। प्रभावी संचार केवल बोलने के बारे में नहीं होता, बल्कि सुनने और मौखिक तथा अमौखिक संदेशों की व्याख्या करने के बारे में भी होता है। जैसे-जैसे हमारी दुनिया आपस में और अधिक जुड़ती जा रही है, भाषा और संचार का महत्व आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने में अत्यधिक बढ़ गया है।

6(a)

(i) **आंखों का तारा**
Meaning: बहुत प्रिय व्यक्ति
Sentence: वह मेरी आंखों का तारा है, मैं उसे कभी दुख नहीं देख सकता।

(ii) **नाक में दम करना**
Meaning: किसी को बहुत परेशान करना
Sentence: वह हमेशा मेरी नाक में दम करता है, काम करने का मौका नहीं देता।

(iii) **हाथों की सफाई दिखाना**
Meaning: किसी कार्य में कुशलता या चालाकी दिखाना
Sentence: उसने जुए में हाथों की सफाई दिखाकर सबको हरा दिया।

(iv) **मुंह में राम, बगल में छुरी**
Meaning: दिखावे के लिए अच्छे दिखने वाली बातें करना, लेकिन अंदर से बुरा होना
Sentence: वह मुंह में राम, बगल में छुरी वाला आदमी है, कभी उस पर भरोसा मत करना।

(v) **अंधे के हाथ बटेर लगना**
Meaning: किसी को बिना किसी प्रयास के अचानक बड़ी सफलता मिल जाना
Sentence: वह किसी काम में अच्छा नहीं था, लेकिन अंधे के हाथ बटेर लग गई और उसे बड़ी नौकरी मिल गई।

(b)

(i) वह हर रोज़ स्कूल जाती है।
(ii) मुझे यह किताब बहुत पसंद है।
(iii) मैं कल किताब खरीदने के लिए बाजार जा रहा हूँ।
(iv) मैं अभी खाना खा रहा हूँ।
(v) वह स्कूल का सबसे अच्छा लड़का है।

(c)

(i) • सामान्य • सामान्य
(ii) • शांति • स्थिर

(iii) • शीघ्र • त्वरित
(iv) • वास्तविक • सही
(v) • दोस्त • सखा